
कक्षा - 12
भारतीय इतिहास के कुछ विषय
अध्याय - 8
किसान, ज़मींदार और राज्य
भाग - 4
प्रीतेश जोशी

किसान जमींदार राज्य



राज्य

↓

एक परिवार ×

चुनाव ✓

एक "छोटा गणराज्य"?

- उन्नीसवीं सदी के कुछ अंग्रेज़ अफ़सरों ने भारतीय गाँवों को एक ऐसे "छोटे गणराज्य" के रूप में देखा जहाँ लोग सामूहिक स्तर पर भाईचारे के साथ संसाधनों और श्रम का बँटवारा करते थे।
- लेकिन ऐसा नहीं लगता कि गाँव में सामाजिक बराबरी थी।

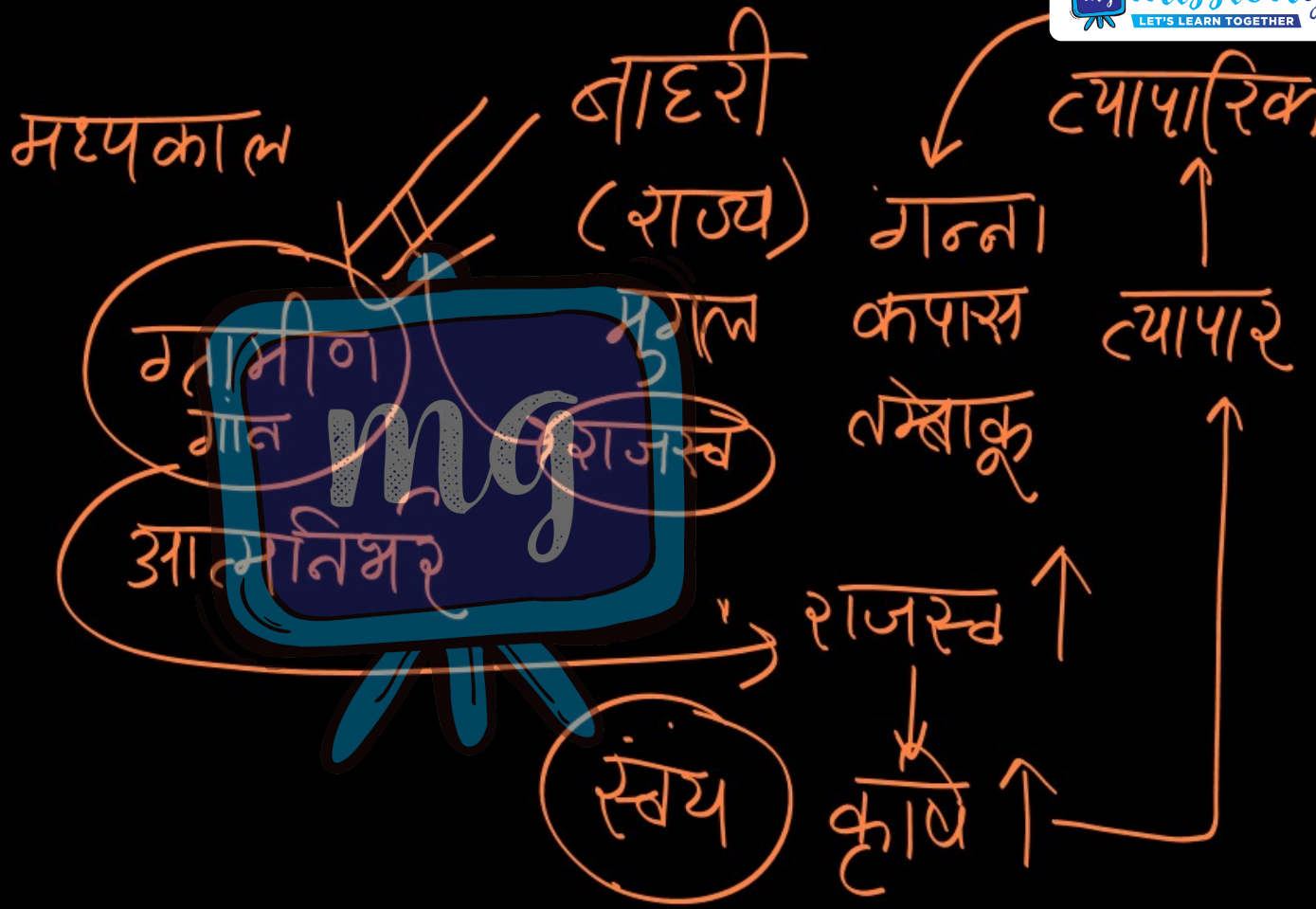
ipca
A dose of life

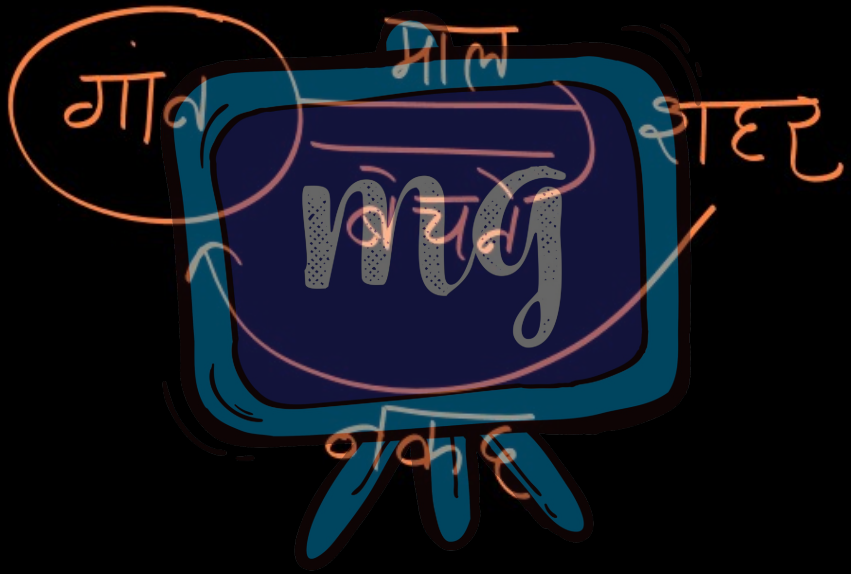
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- कुछ ताकतवर लोग गाँव के मसलों पर फ़ैसले लेते थे और कमज़ोर वर्गों का शोषण करते थे। न्याय करने का अधिकार भी उन्हीं को मिला हुआ था।
- गाँवों और शहरों के बीच होने वाले व्यापार की वजह से गाँवों में भी नकद के रिश्ते फैल चुके थे।

ipca
A dose of life

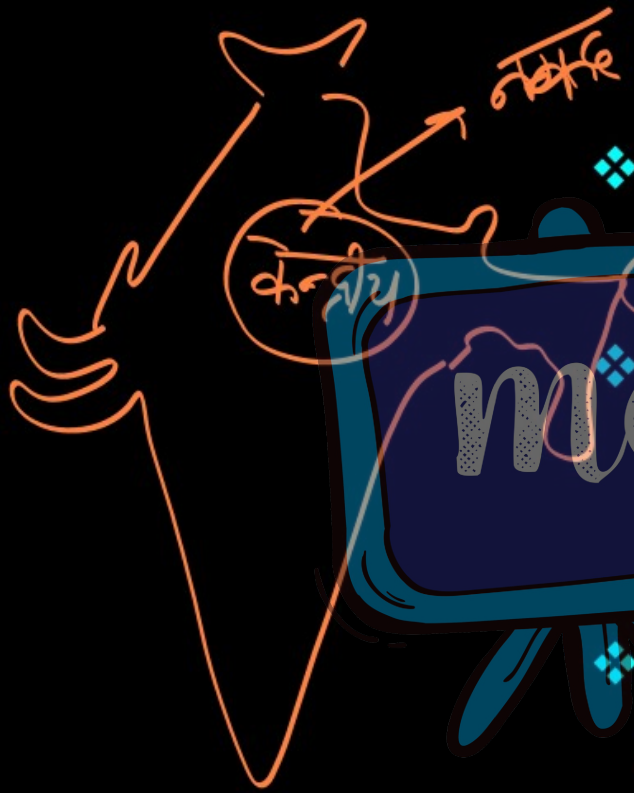
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER




गांव
मॉल
शहर
मनु
स्कूल

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- मुग़लों के केंद्रीय इलाकों में कर की गणना और वसूली भी नकद में की जाती थी।
- जो दस्तकार निर्यात के लिए उत्पादन करते थे, उन्हें उनकी मज़दूरी या पूर्व भुगतान भी नकद में ही मिलता था।
- इसी तरह कपास, रेशम या नील जैसी व्यापारिक फ़सलें पैदा करने वालों को भुगतान भी नकदी ही होता था।

ipca
A dose of life

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

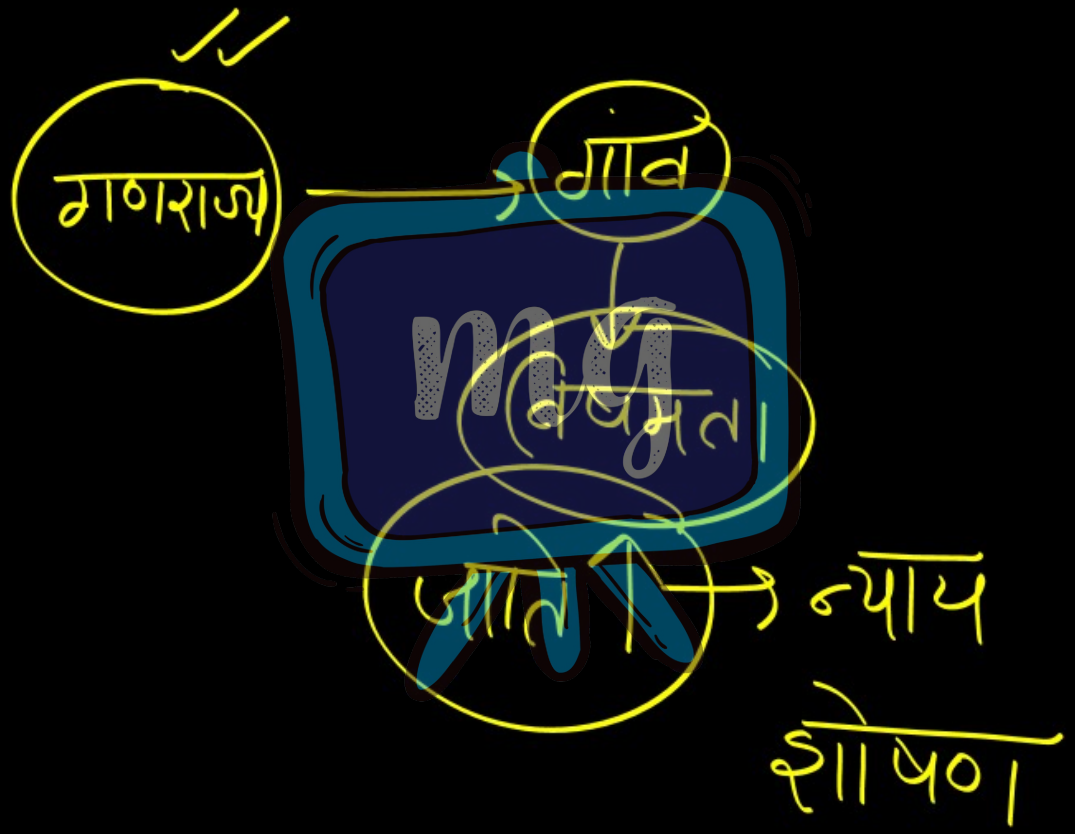
Q. गांव और शहर के बीच नकद का चलन हमें क्या बताता ?

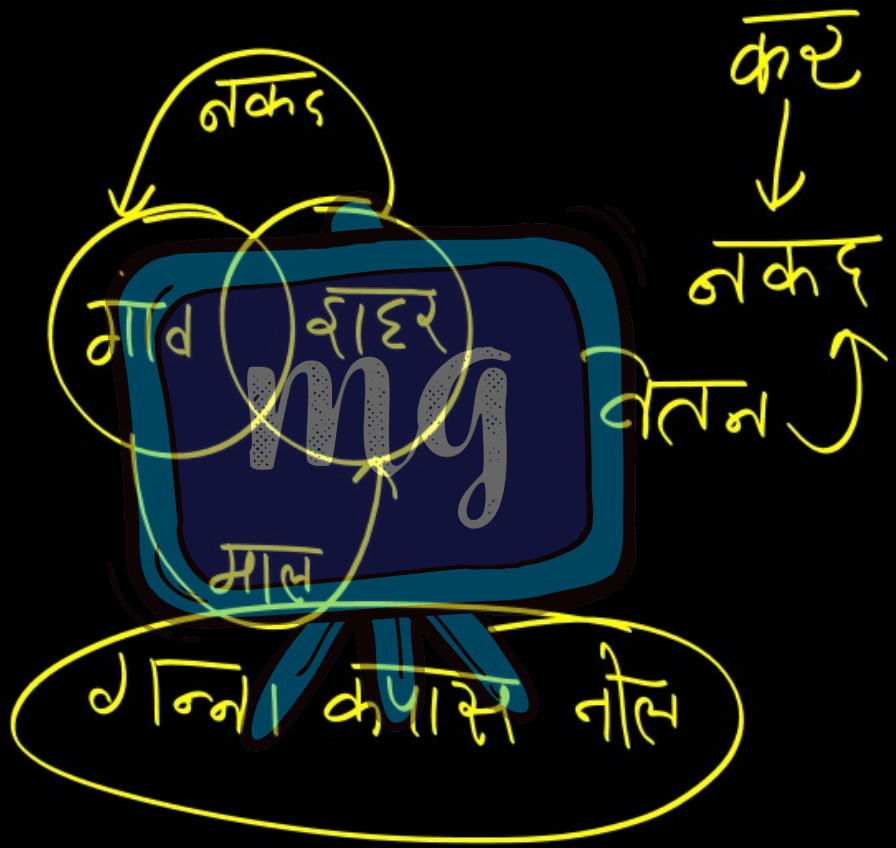
Q. अंग्रेज अधिकारी भारतीय गांवों को छोटा गणराज्य क्यों कहते थे?



ipca
A dose of life

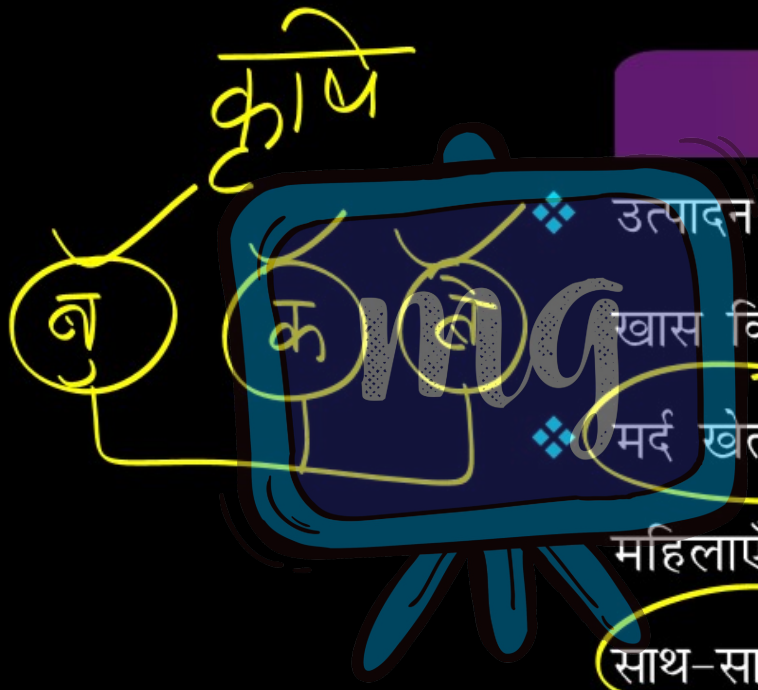
mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER




नकद
कर
नकद
वेतन
गाँव
बाहर
माल
गन्ना कपास तेल

ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कृषि समाज में महिलाएँ

- उत्पादन की प्रक्रिया में मर्द और महिलाएँ खास किस्म की भूमिकाएँ अदा करते हैं।
- मर्द खेत जोतते थे व हल चलाते थे और महिलाएँ बुआई, निराई और कटाई के साथ-साथ पकी हुई फ़सल का दाना निकालने का काम करती थीं।

ipca
A dose of life

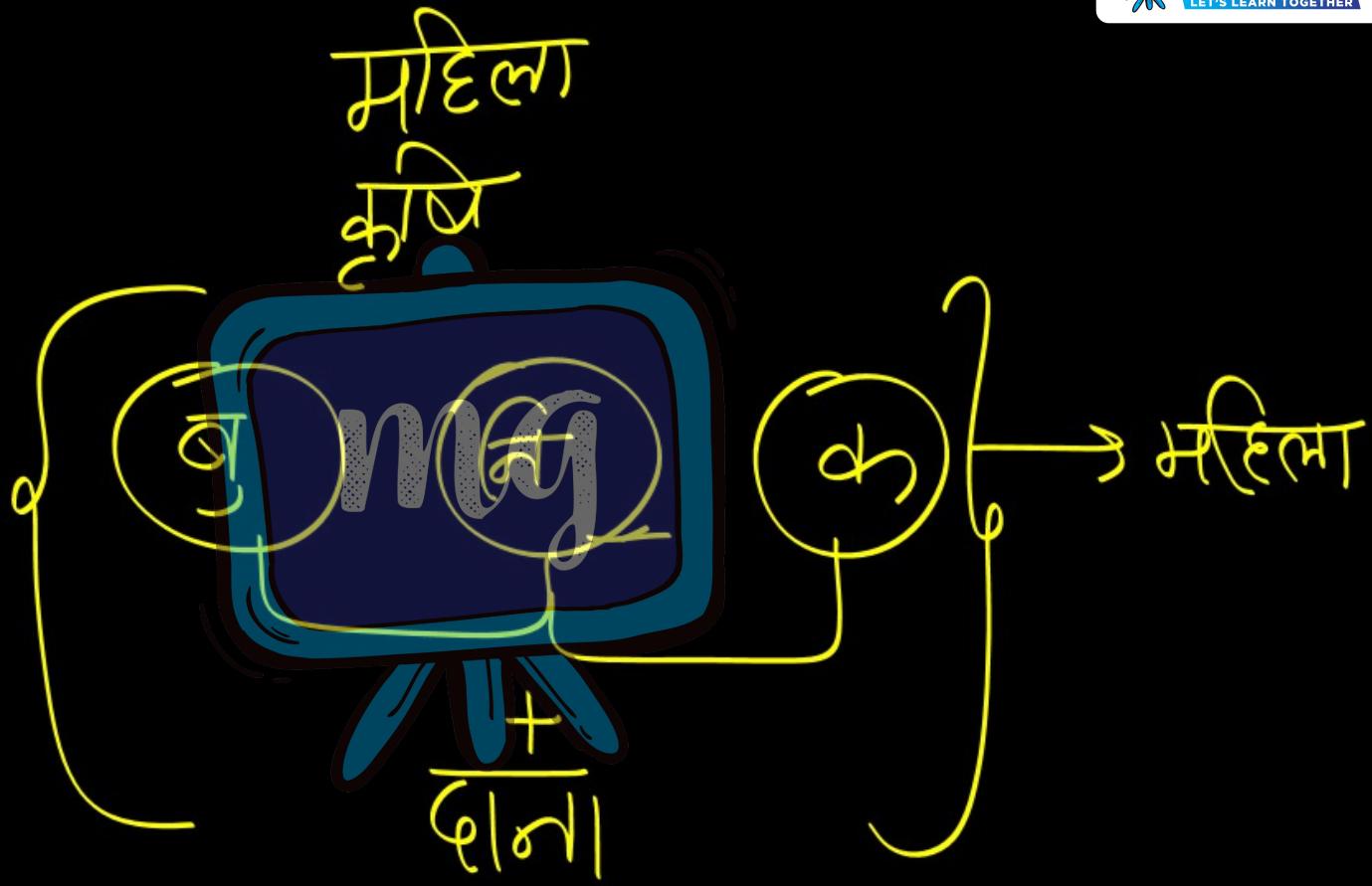
mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- जब छोटी-छोटी ग्रामीण इकाइयों का और किसान की व्यक्तिगत खेती का विकास हुआ। तब घर-परिवार के संसाधन और श्रम, उत्पादन की बुनियाद बने।
- ऐसे में लिंग बोध के आधार पर आमतौर पर किया जाने वाला फ़र्क (घर के लिए महिलाएँ और बाहर के लिए मर्द) मुमकिन नहीं था। फिर भी महिलाओं की जैव वैज्ञानिक क्रियाओं को लेकर लोगों के मन में पूर्वाग्रह बने रहे।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- पश्चिमी भारत में, राजस्वला (मासिक-धर्म के समय) महिलाओं को हल या कुम्हार का चाक छूने की इजाज़त नहीं थी।
- बंगाल में अपने मासिक-धर्म के समय महिलाएँ पान के बगान में नहीं घुस सकती थीं।
- सूत कातने, बरतन बनाने के लिए मिट्टी को साफ़ करने और गूँधने, और कपड़ों पर कढ़ाई जैसे दस्तकारी के काम उत्पादन के ऐसे पहलू थे जो महिलाओं के श्रम पर निर्भर थे।


महिला
कृषि
व
क
महिला
+
दोनों

ipca
A dose of life

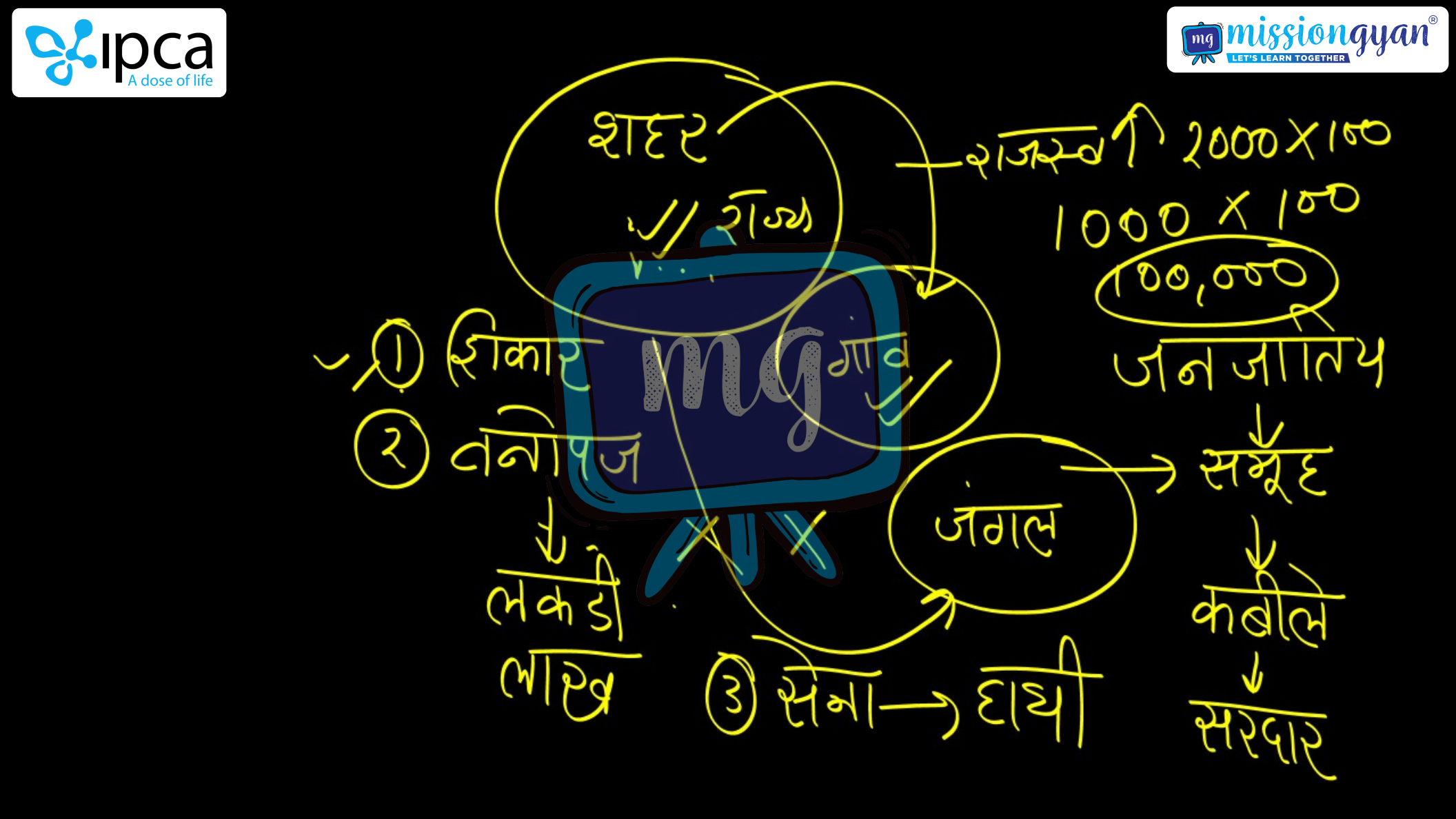
mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- शादी-शुदा महिलाओं की कमी थी क्योंकि कुपोषण, बार-बार माँ बनने और प्रसव के वक़्त मौत की वजह से महिलाओं में मृत्युदर बहुत ज़्यादा थी।
- इससे किसान और दस्तकार समाज में ऐसे सामाजिक रिवाज पैदा हुए जो संभ्रांत समूहों से बहुत अलग थे।

ipca
A dose of life

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- कई ग्रामीण संप्रदायों में शादी के लिए ''दुलहन की कीमत'' अदा करने की ज़रूरत होती थी, न कि दहेज की।
- स्थापित रिवाजों के मुताबिक घर का मुखिया मर्द होता था। इस तरह महिला पर परिवार और समुदाय के मर्दों द्वारा मुरज़ोर काबू रखा जाता था।


शहर
// राज्य
राजस्व
2000 × 100
1000 × 100
100,000
जनजातिय
समूह
कबीले
सरदार
गाँव
① शिकार
② वनोपज
लकड़ी
लाख
जंगल
③ सेना → दायी

ipca
A dose of life

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

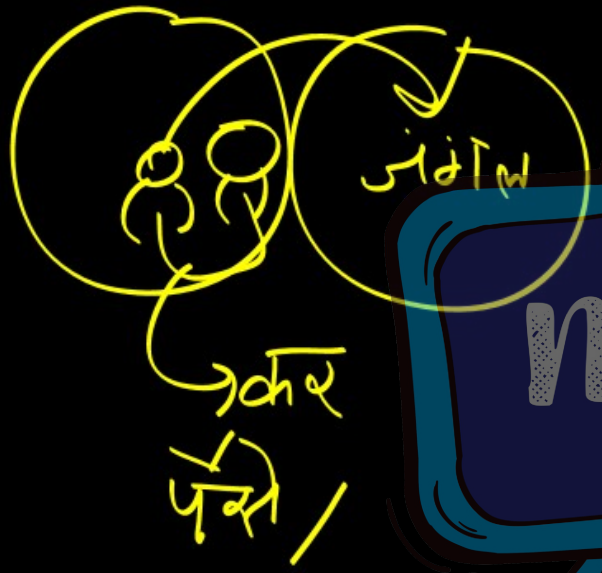
जंगल और कबीले

बसे हुए गाँवों के परे

- ग्रामीण भारत में, बसे हुए लोगों की खेती के अलावा भी बहुत कुछ था।
- ज़मीन के विशाल हिस्से जंगल या झाड़ियों (खरबंदी) से घिरे थे।
- समसामयिक स्रोतों से मिली जानकारी के आधार पर ये अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि यह औसत करीब-करीब 40 फ़ीसदी था।



- समसामयिक रचनाएँ जंगल में रहने वालों के लिए जंगली शब्द का इस्तेमाल करती है।
- उन दिनों इस शब्द का इस्तेमाल ऐसे लोगों के लिए होता था जिनका गुज़ारा जंगल के उत्पादों, शिकार और स्थानांतरीय खेती से होता था।
- लगातार एक जगह से दूसरी जगह घूमते रहना इन जंगलों में रहने वाले कबीलों की एक खासियत थी।

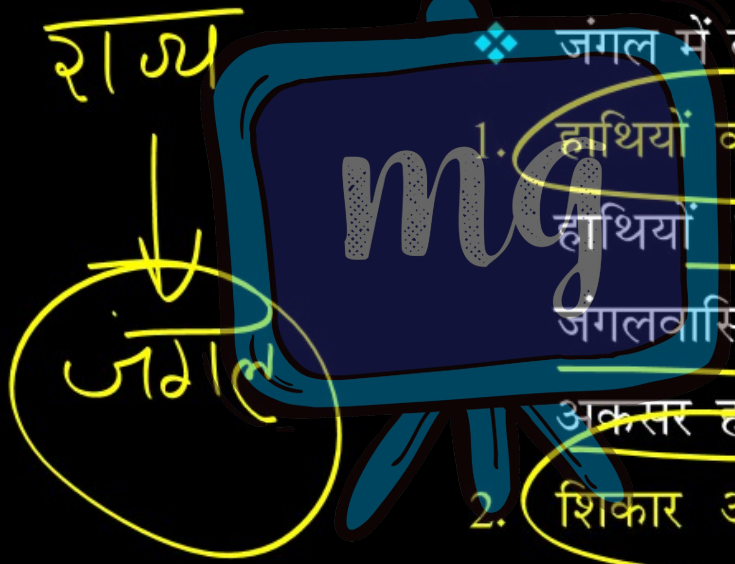


- हम बाबर की आत्मकथा बाबरनामा की ओर देखते हैं जो कहता है कि जंगल एक ऐसा रक्षाकवच था "जिसके पीछे परगनो के लोग कुड़े विद्रोही हो जाते थे और कर अदा करने से मुकर जाते थे।"

- परगना मुग़ल प्रांतों में एक प्रशासनिक प्रमंडल था।

ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



जंगलों में घुसपैठ

- जंगल में बाहरी ताकतें कई तरह से घुसती थीं,

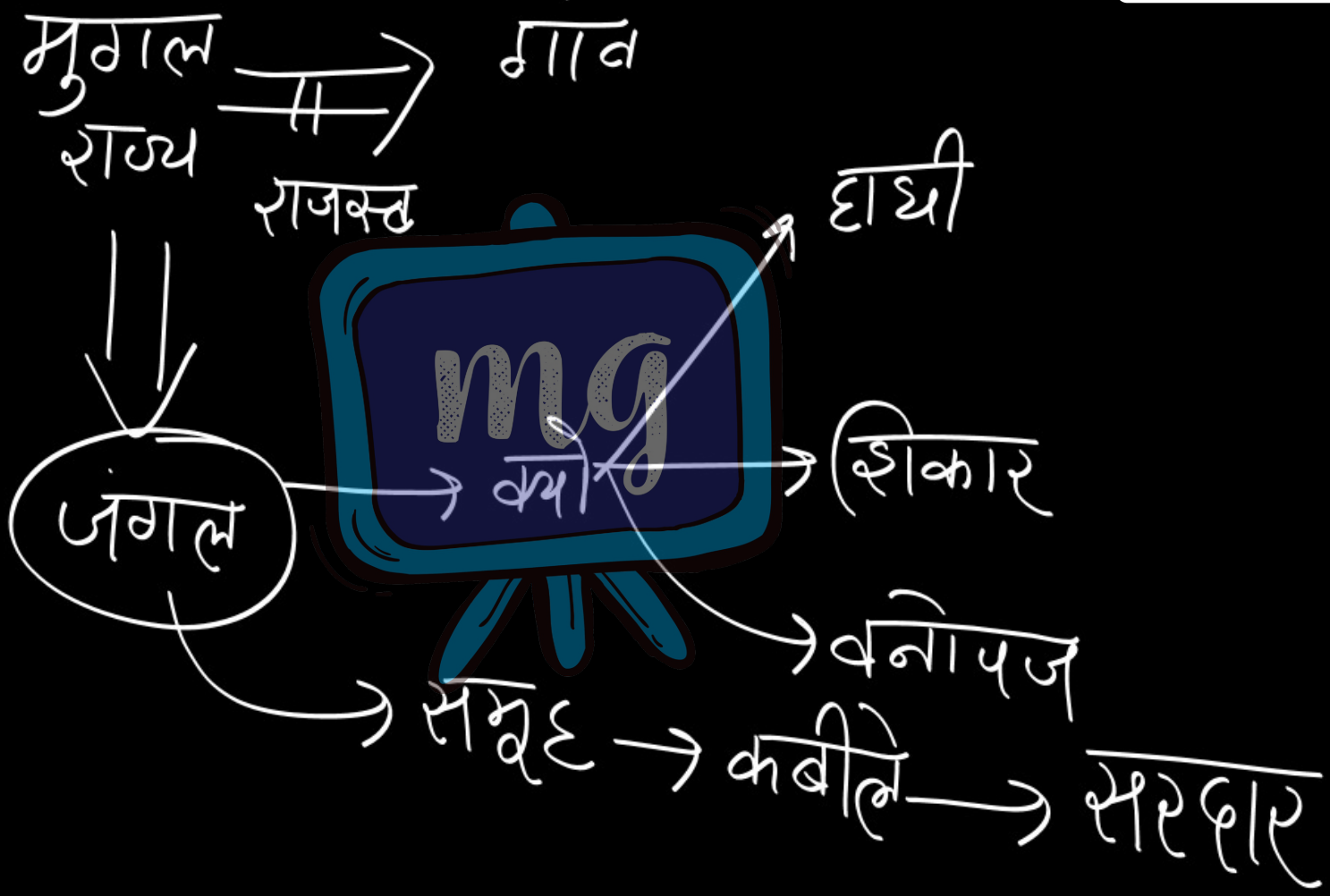
1. हाथियों की जरूरत राज्य को सेना के लिए हाथियों की जरूरत होती थी। इसलिए, जंगलवासियों से ली जाने वाली पेशकश में अकसर हाथी भी शामिल होते थे।
2. शिकार अभियान दरबारी इतिहासकारों की मानें, तो शिकार अभियान के नाम पर बादशाह अपने विशाल साम्राज्य के कोने-कोने का दौरा करता था।

- वाणिज्यिक खेती का असर भी बाहरी कारक के रूप में, जंगलवासियों की ज़िंदगी पर पड़ता था। जंगल के उत्पाद—जैसे शहद, मधुमोम और लाक की बहुत माँग थी।
- सामाजिक कारणों से भी जंगलवासियों के जीवन में बदलाव आए।

ipca
A dose of life

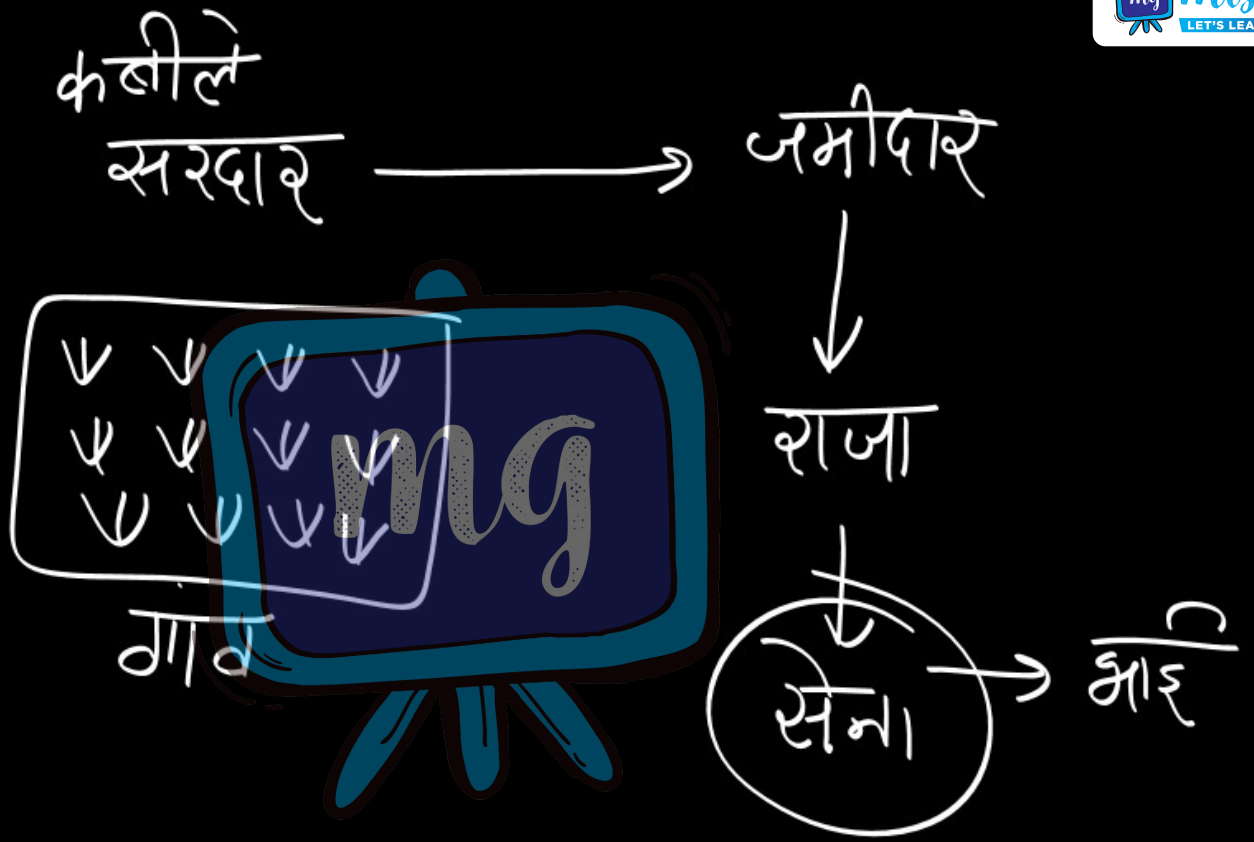
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- कबीलों के भी सरदार होते थे, बहुत कुछ ग्रामीण समुदाय के ''बड़े आदमियों'' की तरह। कई कबीलों के सरदार ज़मींदार बन गए, कुछ तो राजा भी हो गये।
- ऐसे में उन्हें सेना खड़ी करने की ज़रूरत हुई। उन्होंने अपने ही खानदान के लोगों को सेना में भर्ती किया; या फिर अपने ही भाई-बंधुओं से सैन्य सेवा की माँग की।


मुगल
राज्य
राजस्व
गांव
दाघी
जंगल
क्यों
शिकार
वनोपज
समूह
कबीले
सरदार

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Q. राज्य जंगल की तरफ क्यों आकर्षित थे?

(अथवा)

Q. जंगल से राज्य को किस प्रकार फायदे थे?